SUSHANT UNIVERSITY ORGANIZED INTERNATIONAL CONFERENCE ON
"ADVANCES IN MULTIDISCIPLINARY RESEARCH AND INNVOATION" ICAMRI-2023
ON 28-29TH OCTOBER 2023
INTERNATIONAL ADVANCE JOURNAL OF ENGINEERING, SCIENCE AND MANAGEMENT (IAJESM)
July-December 2023, Submitted in October 2023, iajesm2014@gmail.com, ISSN -2393-8048
Multidisciplinary Indexed/Peer Reviewed Journal. SJIF Impact Factor 2023 =6.753

निजी और सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान (बी0एड0) के सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन पर एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

Bhuwaneshwari Chandani, Research Scholar, Dept of Education, Maharaja Agrasen Himalayan Garhwal University
Dr Kuldeep Singh Tomar, Research Guide, Dept of Education, Maharaja Agrasen Himalayan Garhwal University

सार–

यह शोध निजी और सरकारी प्रशिक्षण संस्थान गुणवत्ता प्रबंधन शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता की स्थिति की जांच करने का प्रयास करता है। कालिज की गुणवत्ता का पता लगाने के लिए टोटल क्वालिटी मैनेजमेंट टूल को प्रशासित किया जाता है। शोधकर्ता ने संस्थानो की गुणवत्ता की जांच करने और लगातार दो वर्षों तक संस्थान की गुणवत्ता की तुलना करने का प्रयास किया है। दो वर्षों में गुणवत्ता पूर्ण सेवाएं प्रदान करने में अंतर के क्षेत्रों का पता लगाने का प्रयास किया गया है और गुणवत्ता की अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए संस्थान के समग्र कामकाज में सुधार के लिए कुछ उपायों पर प्रकाश डाला गया है।

प्रस्तावना–

गुणवत्ता आज के युग में किसी भी संस्था की सफलता और असफलता को निर्धारित करने में निर्णायक कारक साबित हुई है। यदि भारत जैसा विकासशील देश विकसित देश बनना चाहता है तो देश को अपने नागरिकों को अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने का लक्ष्य रखना चाहिए। ये नागरिक राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। देश के भीतर इस परिवर्तन की तलाश करने के लिए गुणवत्ता एक ऐसी चीज है जिस पर लगातार काम किया जाना चाहिए। गुणवत्ता एक बहुत ही सापेक्ष शब्द है। विभिन्न सेवा उद्योगों के लिए गुणवत्ता के मानदंड अलग–अलग होंगे, हालांकि मूल उद्देश्य अपने ग्राहकों की अपेक्षाओं को पूरा करना होगा। जहां तक शिक्षा है–

कुल गुणवत्ता प्रबंधन – शिक्षक प्रशिक्षण में उत्कृष्टता

किसी भी संगठन को सुधारने के लिए सभी को दी जाने वाली गतिविधियां मुख्यतः ये है।

- कुल ग्राहक संतुष्टि
- कुल गुणवत्ता सुधार
- कुल कर्मचारियों की भागीदारी
- एकीकृत प्रक्रिया प्रबंधन
- प्रक्रियाओं के प्रति संपूर्ण दृष्टिकोण
- ग्राहक प्रतिक्रिया और सुधार

अध्ययन का उद्देश्य–

उत्तर प्रदेश राज्य में मेरठ जिले के निजी और सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान (बी0एड0) के गुणवत्ता प्रबंधन पर छात्र– शिक्षकों की धारणा का अध्ययन करने के लिए,

अध्ययन का नमूना–

मेरठ शहर के सरकारी बी.एड कॉलेजों के 50 छात्र शिक्षकों और निजी कॉलेज के 50 छात्र शिक्षकों से डेटा एकत्र करने के लिए स्तरीकृत यादृच्छिक नमूना तकनीक का उपयोग किया गया ।

परिकल्पनाऐ–

प्रस्तुत शोध की परिकल्पना है

उत्तर प्रदेश राज्य में मेरठ जिले के निजी और सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान (B.Ed.) के गुणवत्ता प्रबंधन (TQM) पर अध्ययन करने पर यह ज्ञात होता है कि सरकारी बी.एड कालेज, निजी बी.एड कालेज के मध्य गुणवत्ता में अन्तर है। सरकारी कालेज गुणवत्ता निजी कॉलेज की अपेक्षा उच्च है।

शून्य परिकल्पना की गुणवत्ता को बीमबा करने के लिए परिकल्पना 1(H1) का प्रयोग किया गया है।

अनुसंधान विधिः—यह एक सर्वे प्रकार का शोध है। यह किशोरी मिस्त्री (2011) द्वारा कुल गुणवत्ता प्रबंधन सूची का उपयोग बी.एड छात्र शिक्षकों की धारणा को खोजने के लिए किया गया था। स्प्लिट हाफ और क्रोनबैक अल्फा द्वारा टूल की विश्वसनीयता क्रमशः 0.86 और 0.82 थी और टूल को विशेषज्ञों की एक सूची द्वारा मान्य किया गया था। कुल गुणवत्ता प्रबंधन केबी.एड छात्र शिक्षकों की धारणा का पता लगाने के लिए प्रतिशत माध्य का उपयोग किया गया था। कुल गुणवत्ता प्रबंधन पर उपकरण के आयामों की परिचालन परिभाषाएं अध्ययन के आयामों की परिचालन है।

परिभाषाएंः—

कुल गुणवत्ता प्रबंधन एक सतत प्रक्रिया है जिसका उपयोग शैक्षिक प्रबंधक कॉलेज में सभी को अपनी क्षमताओं में लगातार सुधार करने में सक्षम बनाने के लिए करते हैं ताकि आंतरिक और बाहरी ग्राहकों की अपेक्षाओं को पूरा किया जा सके। इसे कालेज के निरंतर गुणवत्ता सुधार के रूप में भी जाना जाता है।

1) गुणवत्ता नीति :—गुणवत्ता नीतियों के बारे में व्यक्ति (शिक्षकों और छात्रों) की धारणा है, इसमें संस्थान के दीर्घकालिक लक्ष्यों और अल्पकालिकलक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रबंधन ध् कॉलेज द्वारा बुनियादी सिद्धांतों, दिशानिर्देशों और कार्य योजना का उपयोग करना शामिल है। .

2) मानव संसाधन प्रबंधन में एक कॉलेज में छात्रों के प्रवेश, शिक्षकों के चयन और नियुक्ति, छात्रों और कर्मचारियों के विकास के प्रति व्यक्तियों (छात्रों और शिक्षकों) की धारणा शामिल है, और संस्थान द्वारा उनके शैक्षणिक में उन्हें प्रेरित करने के लिए किए गए प्रयास भी शामिल हैं। जिम्मेदारियों और उनके काम का मूल्यांकन और इसे पहचानेकी क्षमता को प्राप्त करना है।

3) संचालन प्रक्रियाः— संचालन प्रक्रिया में शैक्षणिक और प्रशासनिक कामकाज में विभिन्न नियमों और विनियमों के माध्यम से गुणात्मक सुधार के प्रयासों में संगठन के बारे में व्यक्ति की धारणा शामिल है।

4) प्रशिक्षणः—कुल गुणवत्ता प्रबंधन की अवधारणा के बारे में ज्ञान प्रदान करने के लिए संस्थान द्वारा किए गए प्रयासों के बारे में धारणा है, और इससे संबंधित क्षमता, कौशल, और छात्रों और शिक्षकों के दृष्टिकोण और व्यवहार में बदलाव लाने के लिए संदर्भित किया जाता है

5) गुणवत्ता संस्कृतिः—यह गुणवत्ता से संबंधित मानवीय आदतों, विश्वासों और व्यवहार के कथित पैटर्न को संदर्भित करता है।

6 .गुणवत्ता सूचना प्रणालीः—यह गुणवत्ता के विभिन्न घटकों के बारे में जानकारी बनाए रखने के बारे में व्यक्ति की धारणा को संदर्भित करती है और जानकारी उपलब्ध कराती है और उन लोगों को जानकारी प्रदान करती है जिन्हें संस्थान या कॉलेज के बारे में जानकारी की आवश्यकता होती है।

अनुसंधान का प्रकारः—

यह एक सर्वे प्रकार का शोध है।

न्याय दृश्य में सम्मिलित बी0एड0 कालेज के नाम इस प्रकार है।

सरकारी बी0एड0 कॉलेजः—

- मेरठ कॉलेज मेरठ (15 छात्र—छात्राएं)

- एन ए एस कॉलेज ऑफ मेरठ (15 छात्र–छात्राएं)
- इस्माइल नेशनल महिला डिग्री कॉलेज मेरठ (20 छात्र–छात्राएं)

निजी बी.एड कॉलेजः–

- बी0आई0एम0टी0 ग्रूप औफ इंस्टीयूट (15 छात्र–छात्राएं)
- विद्या नॉलेज पार्क (15 छात्र–छात्राएं)
- बंसल इंस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशन (20 छात्र–छात्राएं)

परिकल्पना 1 :– उत्तर प्रदेश राज्य में मेरठ जिले के निजी एवं सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान बी0एड0 गुणवत्ता प्रबंधन में एक सार्थक अंतर प्राप्त हुआ है।

जिसका विवरण तालिका में दिया गया है।

उपकरणः–

प्रस्तुत शोध में उपकरण के रूप में बहुविकल्पीय प्रश्नों को बनाया गया है जिन्हें हिंदी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में लिखा गया है, निजी व सरकारी बीएड कॉलेजों से रेंडम सैंपलिग के माध्यम से 50–50 छात्र शिक्षकों को चुना गया वह उनसे प्रश्नावली भरवाई गई जिसके आधार पर निष्कर्ष निकाला गया यह प्रश्नावली बहुविकल्पीय प्रश्नों पर आधारित है।

आंकड़ों का संग्रहणः–

प्रस्तुत शोध में उद्देश्यों को निर्धारित करके परिकल्पना बनाई गई तथा अनुसंधान विधि का प्रयोग किया गया उसके पश्चात यादृच्छिक न्यायदृश के माध्यम से सरकारी वे निजी बी0एड0 कॉलेज के विषय में जानकारी प्राप्त की गई व निष्कर्ष निकाला गया।

सांख्यिकी विधियांः–

प्रस्तुत शोध में प्रयुक्त विधियां इस प्रकार हैं।

तालिका

	वर्गकुल संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी–मूल्य	सार्थकता स्तर
मेरठ के निजी कालेज के छात्र शिक्षक	50	23.72	3.11	2.79	अस्वीकृत
मेरठ के सरकारी कालेज के छात्र शिक्षक	50	25.48	3.20		

स्वतंत्रता का अर्थ (Degree of Freedom)

$$Df = N1 + N2 - 2$$
$$= 50 + 50 - 2$$
$$= 98$$

0.05 स्तर पर t का मूल्य = 1.984

0.01 स्तर पर t का मूल्य = 2.626

निष्कर्ष–

INTERNATIONAL ADVANCE JOURNAL OF ENGINEERING, SCIENCE AND MANAGEMENT (IAJESM)
July-December 2023, Submitted in October 2023, iajesm2014@gmail.com, ISSN -2393-8048
Multidisciplinary Indexed/Peer Reviewed Journal. SJIF Impact Factor 2023 =6.753

उपरोक्त तालिका में गणना द्वारा प्राप्त t-मान 2.79 है जो कि सारणी में दिए गए 0.05 एवं 0.01 स्तर t-मान, 1.984 से एवं 2.626 से अधिक है दोनों समूहों का मध्यमान क्रमस: 23.72 एवं 5.48 है मानक विचलन 3.11 एवं 3.20 है अतः परिकल्पना उत्तर प्रदेश राज्य में मेरठ जिले के निजी और सरकारी प्रशिक्षण संस्थान बी0एड0 के गुणवत्ता प्रबंधन (TQM) में शिक्षा के मध्यमानो में सार्थक अंतर है अतः यह स्वीकृत की जाती है।

परिणामः–

उत्तर प्रदेश राज्य में मेरठ जिले के निजी और सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान (B.Ed.)के गुणवत्ता प्रबंधन पर अध्ययन करने पर यह ज्ञात होता है कि सरकारी बी.एड कालेज, निजी बी.एड कालेज के मध्य गुणवत्ता में अन्तर है। सरकारी कालेज गुणवत्ता निजी कॉलेज की अपेक्षा उच्च है।

सुझावः–

- शिक्षा में गुणवत्ता लाने के लिए जरूरी हैं कि शिक्षा के उद्देश्यों के निर्माण भौतिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक पर्यावरण के आधार पर किया जाए। सीखने के लिए उचित पर्यावरण का होना बहुत आवश्यक हैं और उसके लिए छात्रों के आस–पास का वातावरण अधिगम एवं शिक्षा के लिए अनुकूल बनाना अति आवश्यक हैं।
- कॉलेज एवं विश्वविद्यालयों के अध्यापकों का प्रशिक्षित होना आवश्यक है।
- अध्यापक प्रशिक्षण का जीवन से सह संबंधित होना आवश्यक है।
- प्रस्तुत शोध को विस्तृत कर मंडल स्तर पर भी अध्ययन किया जा सकता है।
- सरकारी और निजी दोनों तरह के विद्यालयों में आवश्यक है B.Ed. के छात्र और छात्राओं की उपस्थिति अतः दोनों प्रकार के कॉलेजों में B.Ed. के स्टूडेंट की उपस्थिति अनिवार्य की जानी बहुत आवश्यक है आज के समय में यह समस्या बहुत देखने को मिल रही है कि छात्र कम मात्रा में कॉलेज आते हैं जिसके कारण यह विविधता हमें देखने को मिल रही है।
- संपूर्ण गुणवत्ता प्राप्त करने के लिए दोनों तरह की कॉलेजों में 75: उपस्थिति का होना अति आवश्यक है।

संदर्भ–ग्रंथ सूची :–

- अख्तर, एम.एस. (2018)। कुल गुणवत्ता प्रबंधन और पाकिस्तान में शिक्षा में इसका अनुप्रयोग। journals of elementary education -
- ओसरिया जे.एस. (1997) शिक्षा में गुणवत्ताः एक कार्यान्वयन पुस्तिका। नई दिल्लीः vanity books International-
- बब्बर सुनील (2015) एप्लाइडिंग टीक्यूएम टू एजुकेशनल इंस्ट्रक्शन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पब्लिक सेक्टर एनाजमेंट वॉल्यूम 8 नंबर, 7, 1995, एमसीबी यूनिवर्सिटी प्रेस यूएसए।
- ब्लेड्स, एम. (1995)। गुणवत्ता के विश्लेषण के लिए एक सरल मॉडल का विकास। गुणवत्ता का प्रशिक्षण, 3(1),
- दलहन एल0 हार्ट (1995) ने गुणवत्ता को परिभाषित किया है ''एक शैक्षिक संस्कृति जिसमें निरंतर सुधार के माध्यम से ग्राहकों की संतुष्टि में वृद्धि होती है जिसमें सभी कर्मचारी और छात्र सक्रिय रूप से भाग लेते हैं

- हैलर्स डी0यू0 (2019)। गुणवत्ता संस्कृति को समझना। शिक्षा में गुणवत्ता आश्वासन: एक अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य, 17(4): 343–363।
- फिजरिल्ड आर0 (2004) शिक्षा में कुल गुणवत्ता प्रबंधन। Minuteman कैरियर और तकनीकी उच्चविद्यालय। से लिया गया:
- एस.के. एंड वेर्न, के (1996) एक उच्च शिक्षा टीक्यूएम उत्कृष्टता मॉडल: QMEX शिक्षा में गुणवत्ता आश्वासन, अवसनउम 4